ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–७६
दिनांक– शुक्रवार, ०७ अक्टूबर, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.4 एवं 25.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 93 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 88 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.1 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 27.4 एवं दोपहर में 31.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 11.0 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(07–11 अक्टूबर, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 07–11 अक्टूबर, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में हल्के बादल छाए रह सकते हैं। पूर्वानुमान की अवधि में अगले 12–24 घंटों में कुछ स्थानों पर हल्की या छिटपुट वर्षा हो सकती है। उसके बाद वर्षा की कोई सम्भावना नहीं है, मौसम के शुष्क रहने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32–34 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 25–27 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 70 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- औसतन 10–15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा तथा पछिया हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पिछात बोयी गई धान की फसल जो कल्ले बनने की अवस्था में हो, में 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। कहीं–कहीं अगात बोयी गई धान की फसल जो बाली निकलने की अवस्था में आ गई हो, में 30 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- धान की फसल में ब्राउन प्लांट होपर कीट की निगरानी करें। यह मच्छरनुमा कीट पौधा की पत्तियों एवं तने से रस चुसता है जिससे पत्तिया सुखी हुई तथा भुरे रंग की हो जाती है। प्रारंभ में यह एक स्थान में रहते है जो बाद में सारे खेत में फैल जाते हैं एवं कभी–कभी यह सारी फसल को नष्ट कर देती है। यदि प्रकोप दिखाई दें तो इमिडाक्लोरोप्रिड/0.3 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें।
- धनबाल निकलने की अवस्था में जो मक्का की फसल आ गयी हो उसमें 30 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- भिंडी, उरद् और मूंग की फसल में पीला मोजैक वायरस रोग की निगरानी करें। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। रोगग्रस्त पौधों को उखार कर नष्ट कर फसल में अनुशंसित दवा का आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- स्वस्थ एवं सुडौल आकार वाली सब्जियों के उत्पादन के लिए किसान भाई ट्राइकोडरमा खाद से मृदा उपचार कर सब्जियों की रोपाई करें। मिर्च, बैगन, टमाटर की फसलों एवं नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है जिससे पौध के पत्ते टेढ़े–मेढ़े होकर सिकुड़कर रोगग्रस्त हो जाते है। यह बड़ी तेजी से एक–पौधें से दूसरे पौधे में फैलता है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें।
- फूलगोभी की पूसा अगहनी,पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेधना, काशी कुवाँरी एवं अर्ली स्नोबॉल आदि किस्मों की रोपाई करे। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में 10–15 किलोग्राम बोरेक्स तथा 1 किलोग्राम सोडियम मालिब्डेट या अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे। अगात रोपी गयी फूलगोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगराणी करे एवं प्रकोप दिखाई देने पर वचाव हेतु स्पेनोसेड दवा एक मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी में घोलकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- बैगन की तैयार पौध की रोपाई करें। रोपनी से पहले 1 ग्राम फ्युराडान 3 जी0 दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला कर रोपनी करें। 20–25 दिनों वाली फसल में निकौनी करें।
- पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पूसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड किस्में अनुशंसित है।
- अगात मूली की बुआई करें। इसके लिए पूसा चेतकी, पूसा देशी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रश्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निषान्त आदि प्रभेद अनुशंसित है। बीजदर 4 से 5 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर तथा 25X10 से0मी0 की दूरी पर बुआई करें।

आज का अधिकतम तापमानः 32.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 24.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)